an>

Title: Need to permit commercial horticulture, development of herbal hub as also wildlife tourism in Gandhi Sagar Sacntuary in Mandsaur Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री सुधीर गुप्ता (मंदसौर) ः मेरे संसदीय क्षेत्र मंदसौर अंतर्गत मंदसौर एवं नीमच जिलों में स्थित गांधी सागर अभ्यारण्य 1974 में घोषित किया गया। इस अधिसूचित क्षेत्र में 1983 में भारत सरकार ने और अधिक क्षेत्र सम्मिलित किया। ये अभ्यारण्य 368 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैला है। अभ्यारण्य से लगी हुई चम्बल नदी है। मध्य प्रदेश का कुल क्षेत्रफल का 30.72 प्रतिशत वन क्षेत्र है। प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्रह, साल बीज, गोंद, महुआ, आंवला, जंगली शहद, सागोन, बांस, उच्च गुणवत्ता वाली लकड़ी उत्पादन, वाणिज्यिक बागवानी, हर्बल उत्पादन का केन्द्र है। मगर मेरे संसदीय क्षेत्र के वन अभ्यारण्य को आरक्षित क्षेत्र क्यें घोषित किया गया, यह बड़ा प्रश्न है। मैं चाहता हें कि इसमें आयुर्वेदिक हर्बल हब या वाणिज्यिक बागवानी हेतु विस्तारित करने की योजना बनाने का भारत सरकार को विचार बनाना चाहिए ताकि पर्यावरण की रक्षा हो व लोगों के रोज़गार का कारण बने। आज वन क्षेत्र पूर्ण रूप से अविकसित है। यहां अनुसंधान विस्तार इकाई भी प्रारंभ की जा सकती है एवं पर्यटकों हेतु इसे खोलने पर भी विचार किया जा सकता है।